इसे वेबसाईट www.govtpressmp.nic.in
से भी डाउन लोड किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 307] भोपाल, मंगलवार, दिनांक 28 जुलाई 2015—श्रावण 6, शक 1937

सामान्य प्रशासन विभाग

मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जुलाई 2015

शोक प्रस्ताव

क्र. एफ 8-5-2015-एक 4.—"डॉक्टर अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम, तामिलनाडु में 15 अक्टूबर, 1931 को हुआ. डॉ. कलाम ने मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में योग्यता हासिल की. भारत के "मिसाइल मैन" के रूप में विख्यात डॉ. कलाम 'अग्नि' और 'पृथ्वी' मिसाइल के सफल निर्माण एवं परिचालन के लिये प्रसिद्ध रहे. उनके द्वारा देश में पहले सेटेलाइट प्रक्षेपण यान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया.

2. डॉ. कलाम भारत के रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार रहे. वर्ष 1992-99 अवधि में रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग में सचिव रहे. डॉ. कलाम के द्वारा मिसाइल पद्धति विकसित की गई और पोखरण-दो परमाणु परीक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया. डॉ. कलाम द्वारा "इंडिया मिलेनियम मिशन-2020" की शुरुआत भी की गई. डॉ. कलाम एक ऐसे महापुरुष थे जिनके पास भारत के विकास को लेकर व्यापक दृष्टि एवं सोच थी.

3. एक साहित्यकार के रूप में डॉ. कलाम द्वारा 'विंग्स ऑफ फायर', 'इंडिया 2020-ए विजन फार द न्यू मिलेनियम', 'माई जर्नी', इग्नाइटेड माइन्ड्स-अनलिशिंग द पावर विदिन इंडिया' जैसी विश्व प्रसिद्ध पुस्तकों का लेखन किया गया. डॉ. कलाम देश के युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिये प्रेरित करते हुये समाज में परिवर्तन लाना चाहते थे.

4. डॉ. कलाम को 48 विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट की उपाधि सहित कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया. उन्हें वर्ष 1997 में देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया था. डॉ. कलाम सही मायने में अजातशत्रु व्यक्तित्व को साकार करते थे. साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से होते हुये भी व्यक्ति अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश के सर्वोच्च पद पर पहुँच सकता है इसके डॉ. कलाम सर्वश्रेष्ठ उदाहरण थे. डॉ. कलाम वर्ष 2002 से 2007 तक देश के 11वें राष्ट्रपति रहे.

5. डॉ. कलाम ने 27 जुलाई, 2015 को मेघालय में शिलांग के बैथानी अस्पताल में अंतिम सांस ली. भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर मध्यप्रदेश शासन गहन शोक व्यक्त करता है और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है.

अॅन्टोनी डिसा, मुख्य सचिव.

नियंत्रक, शासकीय मुद्रण तथा लेखन सामग्री, मध्यप्रदेश द्वारा शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय, भोपाल से मुद्रित तथा प्रकाशित—2015.